www.rpcau.ac.in

आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 अंक–02 फरवरी–2024

इस अंक में...

- प्रदक्षिणा समारोह
- भा० कृ० अनु० प० प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम
- ड्रोन पायलट प्रशिक्षण
- 15वीं अनुसंधान परिषद् की बैठक
- भा० कृ० अनु० प० प्रायोजित शार्ट टर्म कोर्स
- कृषि मशीनरी मरम्मत एवं रखरखाव हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम
- नव वर्ष मिलन समारोह
- गणतंत्र दिवस समारोह
- विश्वविद्यालय के नए अधिकारियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी
- सेवानिवृत्ती समारोह

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

मुझे फरवरी 2024 माह के विश्वविद्यालय ई-न्यूज़लेटर को प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। इस माह हमने कई प्रभावशाली और उल्लेखनीय कार्य किए हैं जो हमारी प्रतिबद्धता और अटूट समर्पण को चिन्हित करते हैं। हम सभी जानते हैं कि महिलाओं को सशक्त बनाना केवल एक नैतिक अनिवार्यता नहीं बल्कि यह एक आर्थिक और सामाजिक आवश्यकता भी है। कृषि क्रियाकलाप के विभिन्न आयाम भी उन सशक्त महिलाओं से सम्बंधित है जो कृषि में बदलाव लाती हैं। जैसा की विदित है-

"स्वयं भूमेः परिपालनं स्त्रिणाम श्रृंगारितः सृजन्ति सः फलानि।। याः सुस्तानः क्षेत्रमनुरक्तभूमेर ताः सर्वदा वृद्धिमनुभूय सृजन्ति" जिसका अनुवाद यह है कि वे हाथ जो मिट्टी का पोषण करते हैं वो प्रगति का भी पोषण करते हैं इसलिए कृषि पुनरुद्धार हेतु महिलाएं शिल्पकार भी होती हैं।

भारत में कृषि पद्धतियों को पुनर्जीवित करने और ग्रामीण महिलाओं के उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रयास के क्रम में माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 'द नमो ड्रोन दीदी' कार्यक्रम जैसी पहल शुरू की है जिससे कृषि क्षेत्र में महिलाओं की तकनीकी भागीदारी के महत्व को समझा जा सकता है। इसका मुख्य उद्देश्य, महिलाओं के नेतृत्व वाले 15,000 स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) को ड्रोन उपलब्ध कराकर कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में क्रांति लाना और महिलाओं को सशक्त बनाना है। ड्रोन प्रौद्योगिकी पर अधिक जागरूकता फैलाने के लिए, हमारे विश्वविद्यालय में 14 महिला पायलटों ने अपना ड्रोन पायलट प्रशिक्षण पूर्ण किया और प्रमाण पत्र प्राप्त किया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर उन्होंने एकता, विविधता और राष्ट्रीय गौरव का सार लिए अपने ड्रोन उड़ाने की कला को प्रदर्शित किया।

देशभक्ति की भावना के साथ, हमारे विश्वविद्यालय ने बड़े उत्साह और जोश के साथ गणतंत्र दिवस मनाया। यह दिवस 'कश्मीर की चोटी से कन्याकुमारी के तट' तक फैले भारतभूमि की हमारे पूर्वजों द्वारा देखे गए सपनों की एक सुखद गाथा है। विश्वविद्यालय परिसर में तिरंगे को फहराने से लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से विविधता में एकता की भावना का संचार हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के प्रत्येक सदस्य ने हमारे संविधान में निहित मूल्यों को बनाए रखने एवं बढ़ावा देने हेतु अपनी प्रतिबद्धता जताई।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार के माध्यम से कृषि क्षेत्र को मजबूत करना तथा इसमें उत्कृष्टता को बनाये रखना हमारा सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है। हमारे लक्ष्यों में किसानों को सशक्त बनाना, कृषि उत्पादकता बढ़ाना और कृषि समुदाय की आय बढ़ाना शामिल है। इसी कार्य समर्पण के साथ हमारे विश्वविद्यालय ने पिछले महीने तीन प्रभावशाली कार्यक्रमों का उद्घाटन किया। पहला कार्यक्रम रबी 2023-24 हेतु 15वीं अनुसंधान परिषद की बैठक रहा जिसमे जारी की गयी मक्का की दो किस्मों हाइड्राइड शक्तिमान 6 और सरसों की राजेंद्र सुफलाम के प्रस्तावों की अनुशंसा एसवीआरसी/सीवीआरसी से की गई। इन दो संस्तुत किस्मों के अतिरिक्त एक उन्नतशील किस्म तथा "मशरूम बड़ी उत्पादन प्रौद्योगिकी" का विमोचन भी किया गया।

उन्नत क्षमता निर्माण पहल की श्रृंखला में, विश्वविद्यालय में "चुनौतीपूर्ण कृषि-पारिस्थितिकी तंत्र में जलवायु-अनुकूल कृषि और किसानों की स्थिति में सुधार लाने के लिए फसल अपशिष्ट का विविधीकरण और उपयोग" विषय पर एक लघु पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। 'इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को चुनौतीपूर्ण वातावरण में सतत कृषि के ज्ञान और रणनीतियों से अवगत कराना है।

इसके अलावा, "एपिजेनेटिक रेगुलेसंस ऐज ड्राइवर्स ऑफ़ इंसेक्टिसाइड रेजिस्टेंस एंड रेजिलिएंस टू क्लाइमेट चेंज इन एग्रीकल्चरल पेस्ट" विषय पर 21 दिवसीय विंटर स्कूल का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण, कीटनाशक प्रतिरोध और सतत कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के विकास से संबंधित अध्ययन को आगे बढ़ाने पर केंद्रित रहा।

नई शिक्षा नीति 2020 के साथ आगे बढ़ते हुए विभिन्न लक्ष्यों में, मस्तिष्क को सशक्त बनाना, भविष्य को बदलने का लक्ष्य, नवाचार विकसित करना, और आजीवन सीखने वालों का एक राष्ट्र बनाना रखा गया है। हमारे विश्वविद्यालय ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है जब नव प्रवेशित छात्रों के लिए प्रमुख कार्यक्रम दीक्षारंभ के दूसरे संस्करण की शुरुआत की गयी। इस पहल का उद्देश्य छात्रों के समग्र विकास को प्राथमिकता देते हुए प्राचीन ज्ञान और परंपराओं को फिर से जीवंत करना है ताकि हम उन्हें राष्ट्र की उन्नति के लिए जिम्मेदार नागरिक बना सकें।

(डॉ. पी. एस. पाण्डेय)

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियाँ

➢ **डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्विद्यालय, पूसा में यूनिवर्सिटी फाउंडेशन कोर्स का द्वीतीय संस्करण (दीक्षारम्भ-2024)** 29 दिसंबर 2023 से 28 जनवरी 2024 के दौरान आयोजित किया गया । यह कोर्स सभी स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में विश्विद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में नए प्रवेशित स्नातक वर्ग के छात्रों के लिए तैयार किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य इन छात्रों को नए वातावरण के साथ सहज परिवर्तन और सम्मिश्रण की सुविधा प्रदान करना है ताकि वे विश्वविद्यालय के पारिस्थितिकी तंत्र के साथ सहज और सम्मिलित हो सकें और पाठ्यचर्या, सह-पाठयक्रम, और पाठ्येतर गतिविधियों के मिश्रण के साथ एक स्वस्थ दिनचर्या भी निर्धारित कर सकें। उच्च शिक्षा अध्ययन हेतु स्वस्थ मन और शरीर महत्वपूर्ण हैं, इसलिए यह कार्यक्रम योग, खेल कला और शिल्प, साहित्यिक गतिविधियाँ, नृत्य और संगीत, नाटक और रंगमंच, सॉफ्ट स्किल्स, आर्ट ऑफ़ लिविंग आदि जैसी गतिविधियों के साथ संरचित है।

समापन समारोह "प्रदक्षिणा" 28 जनवरी, 2024 को आयोजित किया गया जिसमे माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय और प्रेम सुख इंटरनेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. राम अवतार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डॉ. मृतुन्जय कुमार, कुलसचिव और संयोजक ने स्वागत भाषण दिया जबकि कार्यक्रम की सह-संयोजक डॉ. बिनीता सतपथी ने इस महीने भर चलने वाले कार्यक्रम की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को साझा किया। शिक्षा निदेशक डॉ. यू. के. बेहरा ने उच्च शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डाला। फाउंडेशन पाठ्यक्रम में 317 छात्रों ने भाग लिया। प्रत्येक गतिविधि क्लब के प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। कला और शिल्प क्लब में छात्रों के प्रदर्शन को भी गैलरी में प्रदर्शित भी किया गया । इस अवसर पर छात्रों द्वारा कई मनमोहक कार्यक्रम जैसे नृत्य, संगीत, कविता और नाटक प्रस्तुत किए गए। कुलसचिव और संयोजक डॉ. मृतुन्जय कुमार के नेतृत्व में सभी छात्रों ने शपथ ली। माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पांडे ने छात्रों को सकारात्मक दृष्टिकोण और आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता के साथ एक नई शुरुआत के लिए प्रोत्साहित किया। दीक्षारंभ के सदस्य सचिव डॉ. मिथीलेश कुमार सिंह ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया।

➢ **दिनांक 8 जनवरी 2024 को औद्योगिक संलग्नक कार्यक्रम** के तहत तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के बीएससी (ऑनर्स) 7वें सेमेस्टर के RAWE के छात्रों ने मेसिना कं. प्रा. लि. की विभिन्न इकाइयों का दौरा किया। छात्रों ने प्रबंधन कर्मियों के साथ बातचीत की और इन संस्थानों में की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

➢ **एग्रो-इंडस्ट्रियल अटैचमेंट प्रोग्राम के तहत, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली,** के 7वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए एक एक्सपोजर विजिट दिनांक 19.01.24 और 25.01.2024 को आयोजित किया गया । छात्रों ने बिहार के समस्तीपुर के नयनगर में श्री सुधांशु जी के अभिनव उद्यान का दौरा किया। छात्रों ने फलों की फसलों के उत्पादन और कटाई के बाद के प्रबंधन के बारे में सीखा। श्री सुधांशु जी ने अपने ज्ञान को साझा किया और ऑर्चर्ड की सभी गतिविधियों को समझाया, जिसमें गुणवत्तापूर्ण फल उत्पादन, संचालन, फसल कटाई के बाद प्रबंधन और फलों की फसलों का विपणन शामिल है।

➢ **विश्वविद्यालय में चार वर्षीय बीएससी (ऑनर्स) प्राकृतिक खेतीः** स्नातक कोर्स के छात्रों के पहले बैच का प्रवेश हुआ । वर्ष 2023-24 के वर्तमान शैक्षणिक सत्र में 20 छात्रों की प्रवेश क्षमता के साथ स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय के अंतर्गत प्राकृतिक खेती में यह स्नातक कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया। वर्तमान में 15 छात्रों का नामांकन किया गया है। माननीय

कुलपति ने 09-01-2024 को नए प्रवेशित छात्रों के ओरिएंटेशन कार्यक्रम को संबोधित किया।

➢ **विभिन्न डिग्री कार्यक्रमों में छात्रों का प्रवेश**

Students enrolled in Session 2023-24			
Degree Programme	**Male**	**Female**	**Total**
UG	172	142	314
PG	114	87	213
PhD	17	09	26
Total			**553**

➢ **विश्वविद्यालय में में 553 नए छात्रों का प्रवेश**

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा ने स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रमों में 553 छात्रों के नए समूह का स्वागत किया। यह विविध प्रवेश अकादमिक उत्कृष्टता और समावेशिता के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नव प्रवेशित छात्रों में 238 छात्राएं हैं, जो कृषि शिक्षा में लैंगिक समानता और सशक्तिकरण की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। महिला नामांकन में यह वृद्धि, शिक्षण वातावरण को बढ़ावा देने के प्रति विश्वविद्यालय के समर्पण को रेखांकित करती है।

अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **15वीं अनुसंधान परिषद बैठक (रबीः 2023-24) का आयोजन** अनुसंधान निदेशालय द्वारा 15 से 17 जनवरी 2024 को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पी. एस. पांडेय, माननीय कुलपति ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ. ए. आर. पाठक, पूर्व कुलपति, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात की उपस्थिति रही। साथ हीं, डॉ. विकास दास, निदेशक, भा. कृ. अनु. प.-राष्ट्रीय अनुसन्धान केंद्र-लीची, मुजफ्फरपुर, बिहार को विश्वविद्यालय के अनुसंधान परिषद के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। बैठक के दौरान संबंधित प्रधान अन्वेषक द्वारा पंद्रह (15) विश्वविद्यालय वित्त पोषित, दस (10) बाह्य वित्त पोषित, इक्कीस (21) भा. कृ. अनु. प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना और उनतीस (39) विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजनाओं के नए प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। प्रत्येक प्रस्तुति ने विश्वविद्यालय में वर्त्तमान में चल रहे और भविष्य के अनुसन्धान प्रयासों पर गहन चर्चा को प्रेरित किया।

इस कार्यक्रम के दौरान दो किस्मों: मक्के की हाइब्रिड शक्तिमान-6 (क्यूपीएमएमएच 27) और सरसों की राजेंद्र सूफलाम-1 (आरएयूआरडी 18-1) को जारी करने व एसवीआरसी/सीवीआरसी द्वारा अधिसूचित करने का प्रस्ताव रखा गया। साथ ही "मशरूम बड़ी उत्पादन प्रौद्योगिकी" को प्रस्तुत किया गया व गहन चिंतन के उपरांत अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रौद्योगिकी को जारी किया गया।

➢ **नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी, गुजरात में फलों पर भा. कृ. अनु. प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की 11वीं समूह बैठक में भागीदारी :** डॉ. एस. के. सिंह, प्रो. पौधा रोग विज्ञान और प्रधान अन्वेषक के साथ संबद्ध वैज्ञानिक डॉ. आशीष पंडा, बागवानी विभाग ने 22 से 25 जनवरी, 2024 तक नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी, गुजरात में फलों पर भा. कृ. अनु. प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की 11वीं समूह बैठक में भाग लिया। आयोजन के दौरान चल रहे सभी प्रयोगों और नए परीक्षणों पर विस्तार से चर्चा की गई। केले की दो नई किस्मों की सिफारिश की गई: कावेरी कंचन (नेंद्रन × कलकत्ता-4) जिससे बेहतर चिप्स बनाये जा सकते हैं तथा मिठास की गुणवत्ता भी है; कावेरी वामन (ग्रैंड नाइन का एक गामा उत्परिवर्ती) पवन प्रवण क्षेत्रों के लिए एक अति बौना केला जिसे बिहार में टेरेस गार्डन में उगाया जा सकता है।

प्रसार गतिविधियाँ

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की ने केवीके परिसर** में दिनांक 23/01/2024 को मुख्य अतिथि श्री गोपाल मीणा (आई.ए.एस.) संभागीय आयुक्त, मुजफ्फरपुर की उपस्थिति में उर्वरक इनपुट डीलरों के लिए 15 दिवसीय आईएनएम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू किया। केवीके तुर्की (एसएमएस पशु विज्ञान द्वारा) ने बेहतर आय सृजन के लिए बकरी पालन पर 4 दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। जनवरी 2024 के महीने में सरमस्थ गांव में सरसों की किस्म डीआरएमआर 150-35 और दाल आईपीएल 220 पर एक फील्ड डे भी आयोजित किया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली ने एस.एम.एस, (पौधा सुरक्षा) के माध्यम से** प्राकृतिक खेती पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, तथा ग्रामीण युवाओं के लिए मशरूम उत्पादन पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

पुरस्कार, मान्यता और अन्य गतिविधियाँ

➢ **75वें गणतंत्र दिवस समारोह में वैज्ञानिक को निमंत्रण** डॉ. शंकर झा, एसोसिएट प्रोफेसर, मृदा विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय को भारतीय लोक सेवा प्रसारक द्वारा 26 जनवरी, 2024 को कर्तव्य पथ, नई दिल्ली में 75वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया।

➢ **डॉ. आशीष कुमार पंडा, सहायक प्राध्यापक (बागवानी)** को देश भर के 11 केंद्रों में आयोजित किए जा रहे एमएलटी पपीता परीक्षण का नेतृत्व और निगरानी करने के लिए फलों पर भा. कृ. अनु. प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के वैज्ञानिकों के बीच 2022-23 के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयोग प्रभारी के रूप में सम्मानित किया गया।

➢ **श्री रोशन कुमार राम, सहायक प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** ने 12-13 जनवरी, 2024 के दौरान पर जी बी पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर में आयोजित मंथन-राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में भाग लिया और 14-15 जनवरी, 2024 को आयोजित 17 वीं राष्ट्रीय अंतर-विश्वविद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता में टीम मैनेजर के रूप में कार्य किया। इस समारोह में विश्विद्यालय के छात्र सी. मोहित सिंह को विशिष्ठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

➢ **विश्वविद्यालय में 26 जनवरी, 2024 को गणतंत्र दिवस मनाया गया।** इस अवसर पर, माननीय कुलपति, डॉ. पी. एस. पांडेय ने सभी शिक्षकों, छात्रों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को संबोधित किया।

➢ **श्री आदर्श कुमार, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के अंतिम वर्ष के छात्र को जीविका में युवा पेशेवर के रूप में चुना गया। तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के अधिष्ठाता ने उनकी शानदार सफलता के लिए बधाई दी।

मानव संसाधन विकास

➢ **डॉ. अदिता शर्मा और डॉ. तनुश्री घोराई, सहायक प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** ने 22-24 जनवरी, 2024 को "वैज्ञानिकों की पोषण संबंधी संवेदनशील कृषि क्षमताओं को मजबूत करने में आईसीटी के उपयोग" पर दो दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम और 29 जनवरी, 2024 को "मत्स्य पालन और जलीय कृषि में इंजीनियरिंग हस्तक्षेप" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में भाग लिया।

➢ **विश्वविद्यालय ने आई.सी.एस.एस.आर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया (CBP):** कृषि प्रसार शिक्षा विभाग और कृषि अर्थशास्त्र विभाग, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय ने 'सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के परिप्रेक्ष्य में परियोजना प्रबंधन तकनीकों को समझना' विषय पर आई.सी.एस.एस.आर प्रायोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस व्यापक विषय पर दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा द्वारा 4-15 जनवरी, 2024 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के उद्घाटन और समापन समारोह में माननीय कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय ने भाग लिया। डॉ. एस. एन. मीरा, निदेशक, अटारी, हैदराबाद ने डिजिटल विस्तार पर उद्घाटन भाषण दिया। इस कार्यक्रम में देश भर से 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. ए. आर. पाठक, पूर्व कुलपति, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात और डॉ. मयंक राय, अधिष्ठाता, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय द्वारा एक प्रशिक्षण संग्रह का विमोचन किया गया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम का समन्वय डॉ. बिनीता सतपथी एवं डॉ. तुलिका कुमारी द्वारा किया गया।

➢ **नौवें और दसवें बैच के लिए ड्रोन पायलट प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया गया :** कृषि अभियांत्रिकी एवं तकनीकी महाविद्यालय, पूसा में ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के 9वें और 10वें बैच का प्रशिक्षण दिनांक 10 और 20 जनवरी 2024 को सफलतापूर्वक पूरा किया गया । 9वें बैच में 17 प्रतिभागी उत्तर प्रदेश (गोरखपुर, देवरिया और प्रयागराज) से थे और 10वें बैच के 18 प्रतिभागी बिहार (समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, बेगुसराय और पटना)और झारखंड से थे। महाविद्यालय में अब तक कुल 81 पायलटों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। 81 में से 35 प्रशिक्षित महिलाएं रहीं, जिन्हें भारत सरकार की नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन दीदी के रूप में नामित किया गया ।

➢ **डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा में भा. कृ. अनु. प द्वारा प्रायोजित 10 दिनों का शार्ट टर्म कोर्स का आयोजन :** विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 16-25 जनवरी, 2024 के दौरान "जलवायु अनुकूल कृषि और नाजुक कृषि पारिस्थितिकी तंत्र में किसानों की आय में सुधार के लिए फसल विविधीकरण और फसल अपशिष्ट के उपयोग" पर एक 10 दिवसीय शार्ट टर्म कोर्स आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन दिनांक 16 जनवरी, 2024 को माननीय कुलपति, द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. के. जी मंडल, निदेशक, एम.जी.आई.एफ.आर.आई, पिपराकोठी, मोतिहारी रहे। इस प्रशिक्षण में विभिन्न विश्वविद्यालयों/राज्यों के कुल 16 प्रतिभागियों/वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण में फसल विविधीकरण और कृषि अपशिष्ट उपयोग के सभी पहलुओं को शामिल किया गया। थ्योरी कक्षाओं के अलावा प्रतिभागियों ने पास के जिले के प्रगतिशील किसानों और उद्यमियों के साथ भी बातचीत भी की।

➢ **कृषि मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण :** वर्ष 2024 के लिए "फार्म मशीनरी की मरम्मत और रखरखाव" पर कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला बैच 31 जनवरी 2024 को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 जनवरी 2024 को शुरू हुआ। वैशाली, मधुबनी, बेगुसराय और समस्तीपुर जिले से कुल 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

नव वर्ष समारोह

➢ **डॉ. पी. एस. पांडेय, माननीय कुलपति के नेतृत्व** में डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों, छात्रों और कर्मचारियों ने पूसा परिसर में नव वर्ष 2024 का स्वागत किया। माननीय कुलपति ने नए साल 2024 की पूर्व संध्या पर तिरहुत कृषि महाविद्यालय, परिसर का भी दौरा किया साथ हीं मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली और बीज निदेशालय के संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के साथ बातचीत की और नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

➢ **कृषि जैव प्रौद्योगिकी और आणविक जीव विज्ञान विभाग, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, पूसा** ने 8 जनवरी 2024 को विश्वविद्यालय और आसपास के संस्थानों के संकाय सदस्यों और Ph.D. स्कालर्स के लिए "रियल टाइम PCR (qRT-PCR) दृष्टिकोण का उपयोग करके जीन अभिव्यक्ति विश्लेषण" विषय पर SERB DST द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

विश्वविद्यालय के नए अधिकारियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी

➢ **प्रो. उमाकांत बेहरा** ने दिनांक 01 जनवरी, 2024 को विश्वविद्यालय के निदेशक शिक्षा, के रूप में डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा, में शामिल हुए। इससे पूर्व में वे प्रधान वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान) पर्यावरण विज्ञान और जलवायु अनुकूल कृषि केंद्र (सीईएससीआरए) भा. कृ. अनु. प.-भारतीय कृषि अनुसन्धान संस्थान, नई दिल्ली और डीन, कृषि महाविद्यालय, (केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल) किरदेमकुलई, मेघालय के रूप में कार्यरत थे। डॉ. बेहरा ने वर्ष 2009 में इग्नू, नई दिल्ली से मास्टर्स ऑफ़ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (MBA) और वर्ष 2002-03 में यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, U.K., और वर्ष 2012-13 में ZALF, जर्मनी, से पोस्ट-डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की । डॉ. बेहरा फेलो, NAAS और फेलो, इंडियन सोसाइटी ऑफ एग्रोनॉमी भी हैं। उन्होंने जनवरी, 2021 से जून, 2023 के दौरान पूर्वोत्तर क्षेत्र, बारापानी, मेघालय के लिए NAAS क्षेत्रीय चैप्टर के संयोजक के रूप में कार्य किया है। उन्हें कृषि प्रणाली अनुसंधान (एकीकृत कृषि प्रणाली और अनुकूलन पद्धति) प्राकृतिक/जैविक खेती, और संरक्षण कृषि के क्षेत्र में विशेषता प्राप्त है। उनके पास 15 भारतीय और विदेशी छात्रों के पीजी/पीएचडी मार्गदर्शन करने का अनुभव प्राप्त है।

➢ **प्रो. अमरेश चंद्र** 1 जनवरी, 2024 को विश्वविद्यालय में आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, पूसा, बिहार के अधिष्ठाता (डीन) के रूप में शामिल हुए। इससे पहले वह निदेशक, भा. कृ. अनु. प.-भारतीय चरागाह एवं चारा अनुसन्धान संस्थान, झांसी के रूप में कार्यरत थे। डॉ. चंद्रा के पास प्लांट बायोकेमिस्ट्री, मॉलिक्यूलर मार्कर, प्लांट बायोटेक्नोलॉजी और गन्ने में सोर्स-सिंक मॉलिक्यूलर डायनामिक्स के क्षेत्र में विशेषज्ञता है। NAAS फेलो डॉ. चंद्रा के प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में 100 से अधिक प्रकाशन हैं।

गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

➢ **डॉ. ए. आर. पाठक**
पूर्व कुलपति, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात
दिनांक 15-17 जनवरी 2024 के दौरान

➢ **डॉ. विकास दास**
निदेशक, भा. कृ. अनु. प.-राष्ट्रीय लीची अनुसन्धान संस्थान, मुजफ्फरपुर, बिहार
दिनांक 15-17 जनवरी, 2024 के दौरान

➢ **डॉ. एस. एन. मीरा**
निदेशक, अटारी, हैदराबाद
दिनांक 4-5 जनवरी 2024 के दौरान

➢ **डॉ. के. जी. मंडल**
निदेशक, एमजीआईएफआरआई, पिपराकोठी, मोतिहारी
दिनांक 16 जनवरी 2024 को

➢ **डॉ. राम अवतार सिंह**
योगिक गुरु, संस्थापक अध्यक्ष, प्रेम सुख फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, नई दिल्ली
दिनांक 28 जनवरी, 2024 को

सेवानिवृति समारोह

➢ **31 जनवरी, 2024 को विश्वविद्यालय सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह विश्वविद्यालय के कुलसचिव, की उपस्थिति में आयोजित किया गया।**

1. **श्री राज कुमार झा**
   वरीय तकनीकी पदाधिकारी , सिविल, योजना निदेशालय
2. **श्री देवीनंदन प्रसाद**
   सहायक, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा
3. **श्री कन्हैया कुमार**
   सहायक, बीज निदेशालय, ढोली
4. **श्री क्षत्रपति मिश्रा**
   सहायक, विश्वविद्यालय पुस्तकालय, पूसा
5. **श्री कपिल देव मेहता**
   तकनीकी पदाधिकारी (टी-5) स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा
6. **श्री विजय कुमार**
   वरीय तकनीकी सहायक (टी-4) तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
7. **श्री अरविंद कुमार शर्मा**
   वरीय तकनीकी सहायक (टी-4) तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
8. **श्री राम कुमार राय**
   टीए (टी-3) गन्ना अनुसन्धान संस्थान, पूसा
9. **श्री रघुनाथ साह**
   सीनियर, तकनीशियन (टी-2) गन्ना अनुसन्धान संस्थान पूसा
10. **श्री अमरनाथ ठाकुर**
    कुशल भारवाही कर्मचारी, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा
11. **श्री लूखा राय**
    कुशल भारवाही कर्मचारी तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
12. **श्री शंभू साह**
    कुशल भारवाही कर्मचारी, पशु उत्पादन अनुसन्धान संस्थान, पूसा

EDITORIAL BOARD

संरक्षक:
डॉ. पी. एस. पाण्डेय
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक:
डॉ. उमाकांत बेहरा

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
श्री गुप्तनाथ त्रिवेदी

संपादकीय सहायक:
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in

प्रकाशन प्रभाग

डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर, बिहार

drpcaupusa @Rpcau_pusa Dr.RPCAU Pusa publicationdivision@rpcau.ac.in www.rpcau.ac.in